हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 18 अगस्त 2025

11 मनीषा को न्याय दिलाने के लिए निकाला कैंडल मार्च

12 श्रद्धा के साथ मनाई गोगा नवमी

खबर संक्षेप

सेक्टर-9 मोड़ के पास फुटपाथ पर शव मिला

बहादुरगढ़। सेक्टर-9 मोड़ के पास फुटपाथ पर एक व्यक्ति का शव मिला। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पहचान के लिए शव नागरिक अस्पताल में रखवाया गया है। किसी बीमारी या शराब के अत्याधिक सेवन से मौत की आशंका है। घटना रविवार सुबह की है। दरअसल, सेक्टर 9 मोड़ नाले के निकट फुटपाथ पर व्यक्ति का शव देखा गया। सूचना पाकर एमआईई चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मौके पर लोगों से पूछताछ की लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। पहचान संबंधित कोई दस्तावेज या सामान भी मृतक के कपड़ों से नहीं मिला। एमआईई चौकी से जांच अधिकारी संजय कुमार का कहना है कि मृतक की उम्र 40 से 45 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। मौत के कारणों के बारे में अभी कुछ स्पष्ट नहीं कहा जा सकता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हो सकेगी।

कसार से नाबालिग लड़का लापता

बहादुरगढ़। सेक्टर-6 थाने के अधीन लगते गांव कसार से एक किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। सप्ताहभर बीत जाने के बाद भी उसका कुछ अता पता नहीं है। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। आसाम मूल के सैजुद्दीन ने कहा है कि वह यहां गांव कसार में रहता है। उसका सबसे बड़ा बेटा करीब 16 वर्षीय जहुरीद्दीन गत दस अगस्त को झुग्गी से बाहर गया था लेकिन वापस नहीं आया। तब से लेकर अब तक तमाम संभावित ठिकानों पर तलाश चुके हैं लेकिन कुछ अता पता नहीं है। वहीं, जांच अधिकारी जलबीर सिंह का कहना है कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर लड़के की तलाश शुरू कर दी है। अन्य चौकी, थानों में भी सूचना जारी कर दी गई है।

आर्य नगर में व्यक्ति ने फांसी लगाकर दी जान

झज्जर। शहर के आर्य नगर में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान विक्रम सिंह के तौर पर हुई है। मूल रूप से बाबेपुर गांव का रहने वाला विक्रम सिंह ड्राईवर के रूप में कार्य करता था तथा वह आर्यनगर स्थित एक किराए के मकान में रहता था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि विक्रम विवाहित था। उसकी कोई संतान नहीं थी। उसकी पत्नी की बयानों के आधार पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्यवाई अमल में लाई जा रही है।

गांजे सहित एक आरोपी पकड़ा, केस दर्ज

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा मादक पदार्थ गांजा सहित एक आरोपी को पकड़ा गया है। एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी इंस्पेक्टर कर्मवीर ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि रोशन नामक व्यक्ति मादक पदार्थ तस्करी का अवैध धंधा करता है। वह नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खोरडा बहु रोड नजदीक होटल के पास खड़ा हुआ है। गुप्त सूचना के आधार पर एएसआई सोहन की टीम द्वारा मौके पर पहुंचते हुए संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को पकड़ा गया। आरोपी की नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ। जिसका वजन करने पर 236 ग्राम पाया गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान रोशन निवासी गांव पिलाना जिला रोहतक के तौर पर की गई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए आगामी कार्यवाई अमल में लाई गई है।

यूईआर-2 से उद्योगों को मिलेगी रफ्तार

पीएम मोदी ने रविवार को अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 और द्वारका एक्सप्रेस-वे के दिल्ली सेक्शन का उद्घाटन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 और द्वारका एक्सप्रेस-वे के दिल्ली सेक्शन का उद्घाटन कर दिया। करीब आठ हजार करोड़ रुपये की लागत से बनी यह सड़क दिल्ली से गुरुग्राम, बहादुरगढ़, रोहतक और सोनीपत का सफर आसान बनाएगी। बहादुरगढ़ से रोहिणी और एयरपोर्ट तक पहुंचना आसान होगा। वाहन चालकों के समय व ईंधन की बचत होगी। उद्योगों और माल ढुलाई को भी नई रफ्तार मिलेगी।

यूईआर-2 को तीन चरणों में 75 किलोमीटर से अधिक लंबाई में विकसित किया गया है। नरेला से द्वारका तक 38.111 किलोमीटर हिस्से को एनएच-344 एम, सोनीपत के बड़वासनी से बवाना तक 29 किलोमीटर हिस्से को

एनएच-344 पी और बहादुरगढ़ बाईपास से दिचाऊ कलां तक 7.1 किलोमीटर हिस्से को एनएच-344 एन नाम दिया गया है। यह मार्ग दिल्ली-रोहतक हाईवे, एनएच-9 और दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे से जुड़ता है और पश्चिमी दिल्ली में अतिरिक्त रिंग रोड की तरह काम करेगा। यह हाईवे द्वारका, नजफगढ़, मुंडका, रोहिणी, बवाना और नरेला जैसे इलाकों से गुजरता है। अब एनएच-44 से चंडीगढ़, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से आने वाले यात्री भी एयरपोर्ट और गुरुग्राम के लिए इस वैकल्पिक मार्ग का लाभ उठा सकेंगे।

उद्घाटन के साथ ही वाहनों का फर्राटा भरना शुरू

बता दें कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने इस परियोजना को आगे बढ़ाने से इंकार कर दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने 2018-19 में इसे राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को जिम्मेदारी सौंपी, जिसने इसे तेज गति से पूरा किया। उद्घाटन समारोह के चलते कुछ समय के लिए यातायात डायवर्ट किया गया, लेकिन कार्यक्रम के बाद व्यवस्थाएं सामान्य हो गईं। नई सड़क पर वाहनों ने उद्घाटन के साथ ही फर्राटा भरना शुरू कर दिया।

गुढ़ा के पास ईको की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव गुढ़ा के नजदीक हुई ईको गाड़ी व मोटरसाइकिल की भिडंत में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। मृतक की पहचान रेवाड़ी जिले के धारूहेड़ा निवासी विनय व सत्तू के तौर पर हुई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को विनय व सत्तू किसी कार्य से मोटरसाइकिल पर रोहतक आए थे। जब वे काम निपटा कर वापिस घर लौट रहे थे तो गुढ़ा गांव के नजदीक एक तेज रफ्तार ईको गाड़ी ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जहां विनय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया वहीं गंभीर रूप से घायल सत्तू ने भी उपचार के दौरान रोहतक पीजीआई में दम तोड़ दिया। रविवार को पुलिस द्वारा मृतक विनय का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

झज्जर। पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिस।

जूता फैक्ट्री में भीषण आग लगी, छत का काफी हिस्सा भरभरा कर गिरा

बहादुरगढ़, दिल्ली सहित कई जगह की दर्जनभर दमकल गाड़ियां आग बुझाने के लिए बुलानी पड़ी, श्रमिक न होने से बड़ा हादसा टला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र पार्ट-वन स्थित फुटवियर कंपनी शूज क्राफ्ट इंडस्ट्रीज में रविवार की सुबह भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में पूरी तीन मंजिला फैक्ट्री चपेट में आ गई और छत का काफी हिस्सा भरभरा कर गिर गया। आग की लपटों ने साथ लगती पैकेजिंग फैक्ट्री को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं है लेकिन नुकसान काफी हुआ है।

- आगजनी के कारण रह-रहकर धमाकों की आवाजें भी सुनाई देती रहीं, सहमे
- फैक्ट्री का धुआं और आग की तेज लपटें कई किलोमीटर दूर से दिखाई दीं

रविवार की सुबह करीब 9 बजे शुरू हुई इस आग ने रबड़ और ज्वलनशील कैमिकल के संपर्क में आकर विकराल रूप ले लिया। आग बुझाने के लिए हरियाणा, दिल्ली, रोहतक फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों के सहारे दमकल कर्मियों ने मशक्कत की। शहर के तीनों फायर स्टेशन से फायर टेंडर मौके पर भेजे गए, लेकिन फैक्ट्री में हुआ अव्यवस्थित निर्माण आग बुझाने में बड़ी बाधा बन गया। फैक्ट्री का ओपन एरिया कवर कर देने के कारण दमकल कर्मियों को अंदर प्रवेश में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

टीनशेड से बनी फैक्ट्री की ऊपरी मंजिल पूरी तरह जलकर राख हो गई। भवन का काफी हिस्सा भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। आग लगने के दौरान रह-रहकर धमाकों की आवाजें भी सुनाई देती रहीं, जिससे हालात और भी भयावह बन गए। फैक्ट्री से उठता धुआं और आग की तेज़ लपटें कई किलोमीटर दूर से दिखाई दीं। गनीमत रही कि रविवार को अवकाश होने के कारण फैक्ट्री में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, अन्यथा हादसा और गंभीर रूप ले सकता था। एक अन्य पैकेजिंग फैक्ट्री में भी आग पहुंच गई।

बहादुरगढ़। आग लगने के बाद फैक्ट्री से उठता धुआं।

बहादुरगढ़। आग बुझाने में जुटे दमकलकर्मी।

जलती फैक्ट्री की छत

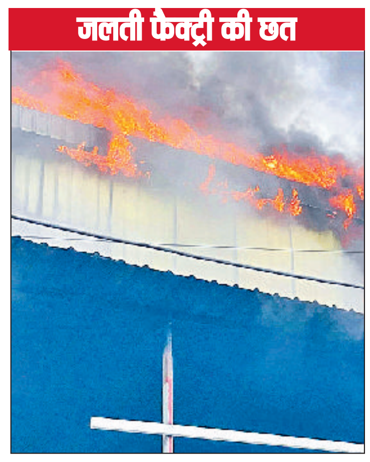

आग लगने से काफी माल जला

आग लगने के कारण काफी माल जल गया है। मशीनें और भवन नष्ट हुआ है। फैक्ट्री मालिक को बेहद नुकसान हुआ है। नुकसान का सही आंकलन आग बुझने और जांच के बाद हो सकेगा। शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। असल पुष्टि जांच के बाद हो सकेगी। पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। देर शाम तक आग सुलगी हुई थी। दर्जनभर गाड़ियों के सहारे दमकल कर्मियों के प्रयास जारी थे।

दंगल में दमखम

झज्जर। गोगा नवमी पर्व पर क्षेत्र के गांव सिवाना में दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में प्रदेश के नामी पहलवान पहुंचे। ...विस्तृत पेज 12 पर

बिहार में रामाधीन पहलवान ने जीता गोल्ड

बहादुरगढ़। देवेंद्र जून जून कुश्ती अकादमी के उभरते पहलवान रामाधीन ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए बिहार राज्य स्तरीय अंडर-23 कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में रामाधीन ने अपने प्रतिद्वंद्वी पहलवान को 8-4 के अंतर से मात दी। इस जीत के साथ ही रामाधीन का चयन रांची में प्रस्तावित नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता के लिए हो गया है, जहां वह बिहार राज्य की ओर से प्रतिनिधित्व करेंगे। अकादमी के संचालक देवेंद्र जून पहलवान ने रामाधीन की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। कुश्ती प्रेमियों ने कोच देवेंद्र जून और पहलवान रामाधीन को बधाई दी।

लड़की ने परिचित पर गंभीर आरोप लगाए

बहादुरगढ़। इलाके में एक नाबालिक लड़की से गलत काम की कोशिश तथा इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर सामग्री डालकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू कर दी है। पीड़िता ने अपने ही एक परिचित पड़ोसी युवक पर ये गंभीर आरोप लगाए है। पीड़िता बंगाल की है और यहां एक कॉलोनी में रहती है। उसका कहना है कि करीब साल भर पहले उसकी दोस्ती पड़ोस में रहने वाले लड़के से हुई थी। कुछ समय पहले उसका यह मित्र उसे बहादुरगढ़ के एक सेक्टर में स्थित फ्लैट में ले गया और जबरदस्ती गलत काम करने का प्रयास किया। इतना ही नहीं, आरोपी ने इस दौरान फोटो और वीडियो भी बना ली। इन सामग्री के जरिये वह ब्लैकमेल करता रहा। चंद दिनों पहले ही उसने इंस्टाग्राम और फेसबुक पर वे वीडियो, फोटो अपलोड कर वायरल कर दिए।

प्लॉट में खड़ी गाड़ी के टायर निकाल ले गए चोर

बहादुरगढ़। लाइनपार क्षेत्र के हरि नगर में खड़ी एक कार के चारों टायर चोर उड़ा ले गए। वाहन मालिक की ओर से पुलिस को शिकायत दे दी गई है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। शैलेंद्र दहिया ने बताया कि उनके पास अर्टिगा गाड़ी है। उन्होंने हरि नगर स्थित एक खाली प्लॉट में गाड़ी खड़ी की थी। चोरों ने उनकी कार को निशाना बनाते हुए चारों टायर उतार लिए। इसकी सूचना उन्हें किसी परिचित से मिली।

संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति के प्रतिनिधिमंडल ने की सीएम से मुलाकात

मुख्यमंत्री से स्कूल भवन बनवाने और तालाब का पुनरुद्धार करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की। उन्हें गांव की समस्याएं बताते हुए समाधान की मांग की। समिति ने मुख्यमंत्री के समक्ष गांव में नए स्कूल का यथाशीघ्र निर्माण और मल्लाह तालाब के पुनरुद्धार का मुद्दा उठाया। समिति सदस्यों ने बताया कि गांव के सरकारी स्कूल में बच्चों की संख्या अधिक होने के कारण इसे डबल शिफ्ट में चलाना पड़ रहा है, जबकि भवन जर्जर और कंडम स्थिति में है। कभी भी हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि स्कूल निर्माण के लिए विभागीय बजट पास हो चुका है और चुनाव से पहले शिलान्यास भी हो गया था, इसके बावजूद काम शुरू नहीं हुआ है। समिति ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि बच्चों की सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू कराया जाए।

बहादुरगढ़। मुख्यमंत्री को अपनी समस्या बताते सांखोल के ग्रामीण।

कुछ लोगों ने मिलीभगत कर तालाब को पाट दिया

इसके अलावा समिति ने मल्लाह तालाब का मुद्दा भी उठाया। मुख्यमंत्री को बताया गया कि तालाब को कुछ लोगों ने मिलीभगत कर पाट दिया गया, जिससे आसपास जमीन का पानी खारा हो गया है और जैव विविधता पर भी असर पड़ा है। समिति ने मांग की कि तालाब का पुनर्जीवन कराया जाए, ताकि भूमिगत जल स्तर में सुधार हो सके। समिति सदस्यों ने उम्मीद जताई कि सरकार गांव की इन दोनों महत्वपूर्ण समस्याओं पर शीघ्र सकारात्मक कदम उठाएगी। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता यशपाल ने मुख्यमंत्री को कृष्णजी की प्रतिमा भेंट कर जन्माष्टमी की शुभकामनाएं भी दीं।

जाखोदा : गली में जलभराव से गांव के कई परिवार घरों में कैद हो गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

स्वच्छता और निकासी के बेहतर दावों के बीच गांव जाखोदा के काफी लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। जलभराव के चलते गांव की एक गली झील का रूप ले चुकी है। लोग अपने घरों में कैद होकर रह गए हैं।

दरअसल, गांव के शिव मंदिर और सरकारी स्कूल वाली गली में लंबे समय से जलभराव की समस्या गहराई हुई है। निकासी ठप होने के कारण पानी मुख्य गली में जमा है। इससे न तो श्रद्धालु मंदिर पहुंच पा रहे हैं और न ही बच्चे आसानी से स्कूल जा पाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले लंबे समय से यह समस्या गहराई हुई है। मोटर से पानी निकाला जाता है। अब तो उससे भी नहीं निकाला गया। बिन बरसात के भी यहां जलभराव रहता है और बरसात होने पर स्थिति गंभीर हो जाती है। बच्चे गली में खेल नहीं पाते, बुजुर्ग टहल नहीं पाते। ग्रामीणों का कहना है कि जब लोग आजादी का जश्न और कृष्ण जी का जन्मोत्सव मना रहे थे तो हम यहां बुरे हालातों में घर में कैद होकर रह गए। जलभराव के कारण बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। स्वच्छता के दावे यहां पूरी तरह से दम तोड़ रहे हैं। जन प्रतिनिधि और अधिकारियों का इस तरफ कोई ध्यान नहीं है। समस्या का समाधान किया जाए।

बहादुरगढ़। जाखोदा में मंदिर के बाहर गली में जलभराव।

साहित्य

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।

- मुंशी प्रेमचंद

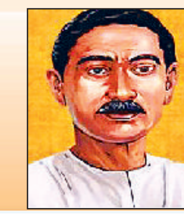

गतांक से आगे...

अभी तक आपने पढ़ा कि शारदा की साहब से शादी हो जाती है। साहब कम बोलते हैं। शारदा इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि घर में शोर-शराबा न हो। शारदा के दो बच्चे हो चुके हैं। बच्चों के जन्म के बाद वह समझ पाती है कि जीवन में आवाज का क्या महत्व है। साहब की मां स्वर्ग सिधार गई हैं। अब साहब ने कॉलेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है और ज्यादातर वक्त वे पढ़ने-लिखने में ही बिताते हैं। *अब आगे...*

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अम्मा जी चली गई हैं। साहब ने उन्हें चुपचाप विदा कर दिया है। अब तो अकेले ही दरख़्तों के साए में अपने हुक्के के साथ बैठते हैं। शाम को अक्सर अम्मा जी की जगह शारदा होती है। चुपचाप उन्हें पढ़ते-लिखते हुए या हुक्का गुड़गुड़ाते हुए देखती हुई शारदा ... बच्चे बड़े हो रहे हैं... पड़ोस में एक आध मकान और बन गया है। जिससे आवाजों की आमद बढ़ गई है। नए मकान का मुहूर्त है और पड़ोस में थोड़ी रेलम-पेल है। नए पड़ोसी थोड़े ज्यादा ही बोलने-चालने वाले किस्म के लोग हैं। बोल बोल कर, नाच-गाकर जिंदगी का आनंद मनाने वाले लोग.. साहब को न्योता देने आए हैं। चाहते हैं कि पड़ोस में जान-पहचान बढ़े।

साहब चुपचाप हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं। शारदा थोड़ी विचलित है कि अब उन्हें कैसे बताए... कि ये इस तरह के समारोह में शामिल नहीं होते। अब कुक्कू के कान में दर्द हो तो शारदा साहब के सोने की अलग कमरे में व्यवस्था कर सकती है। निक्की को बुखार हो या दोनों भाई-बहन आपस में खेलते-खेलते झगड़ा करने लगें तो शारदा के पास समाधान है। अब इस नई समस्या का तो उसे कोई समाधान नजर नहीं आता। लेकिन ऐसा भी नहीं कि साहब को ये चीजें बिल्कुल ही नागवार गुजरें। बस! इतना है कि वे न्योता देने वालों की बातों को सिर्फ सुन रहे हैं। बहुत हुआ तो वे उनके कई वाक्यों के बाद अपनी संक्षिप्त सी 'जी' से काम चला देते हैं। फिर... एक व्यक्ति और आ गया है जो शायद पहले वाले को बुलाने आया है। साथ में कुछ बच्चे भी आ गए हैं। बड़े प्यारे-प्यारे बच्चे हैं। निक्की और कुक्कू की आज छुट्टी है और जाने कब बच्चों की छोटी सी दुनिया में दोस्ती का दीप जगमग आ उठा है। शारदा ने निक्की के हाथ एक पानी का जग और गिलास भेजे हैं शिष्टाचारवश। साहब ने उन्हें पानी पिलाया है.. साथ ही आगंतुकों ने साहब को यह भी बताया है कि.. 'जी आज तो लेडीज संगीत का कार्यक्रम है। शाम को जवान बच्चे नाच-कूद लेंगे इस बहाने और कल सुबह दस बजे गृह प्रवेश है। आप मैडम के साथ, बच्चों के साथ, जरूर आइएगा।'

साहब ने कोई जवाब नहीं दिया है। बच्चों को खेलते हुए महज देख रहे हैं। फिर कुछ औरतें पारंपरिक परिधानों में सजकर गीत गाती हुई सुनाई दे रही हैं। बच्चे.. निक्की और कुक्कू के साथ खेलते-खेलते अंदर आ गए हैं। अब बच्चे तो बच्चे हैं, उन्हें कागजों पर लिखी बातों का क्या पता? वे विस्मय से भरे ..कमरों में भरी किताबों को देख रहे हैं। कभी-कभी किसी कागज को भी उठा लेते हैं। फिर उस कागज को यूं ही गिराकर कोई और पत्रिका उठा लेते हैं। उनके लिए तो सब कुछ महज खेलने की चीजें हैं। दुनिया एक खेल है... जिंदगी एक खेल है... यहां जी रहा प्रत्येक व्यक्ति अलग-अलग तरीकों से खेल रहा है। लेकिन शारदा असहज है। वह भारी द्वंद्व में है। बच्चों की आवाजों को बड़ी शिद्दत से सुन रही है। निक्की और कुक्कू का यूं बच्चों के साथ खेलना उसे सुकून दे रहा है। लेकिन बच्चे शोर कर रहे हैं। उनका शोर करना, आवाजें करना उसे अखर रहा है। शाम को जैसा कि शारदा को पहले ही अंदेशा था.. सात बजते-बजते डीजे शुरू हो गया .. खूब तेज आवाज में ...साहब भीतर अपने कमरे में हैं और खाना खा रहे हैं। शारदा खिड़कियां बंद कर रही है ताकि आवाज अंदर ना आ सके। लेकिन खिड़कियां - दरवाजे बंद करने से भी ज्यादा असर नहीं पड़ रहा और आवाजें बाकायदा अंदर आ रही है। हंसने की आवाजें, गाने की आवाजें, जोर-जोर से बोलने की आवाजें और सबसे तेज आवाजें... पटाखों की आवाजें... शारदा विचलित तो नहीं... लेकिन असहज है.. क्योंकि बारह साल में ऐसी स्थिति पहली बार आई है जब उसे अपने घर में इतना शोर सुनाई दिया है। साहब चुपचाप लेटे हैं । उन्होंने असहज और परेशान शारदा की ओर महज देखा भर है और अपने देखने भर से यह जता दिया है कि रहने दो, कोई बात नहीं... कई बार कुछ आवाजों का कोई समाधान नहीं होता। दोनों बच्चे बिल्कुल बेफिक्री से सो रहे हैं। साहब जाग रहे हैं । आवाजों का सिलसिला जारी है। शारदा अभी जाग रही है। हालांकि उसने कोशिश की है साहब के तलवों और सिर में तेल की मालिश करके उन्हें सुलाने की। लेकिन पटाखों की आवाज के साथ ही वे चौंक पड़ते हैं। कभी-कभी उठ कर बैठ भी जाते हैं। लिखने-पढ़ने वाले विचारशील व्यक्ति हैं। सोच रहे हैं कि जीवन में आवाजों का आदी होना भी कितना जरूरी है। आवाजों के समंदर में डूब कर बेखुदी में जीना कितना आसान हो जाता है । शारदा की

> *वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा*

आंखें शायद लग रही हैं। वह तंद्रा में ही विचार कर रही है कि कुछ आवाजें कितनी अच्छी होती हैं कि वे आती हैं और बच्चों के लिए खेलने का सामान कर जाती हैं। बच्चे स्कूल में तो भले ही खेलते होंगे घर में तो वे आज ही खेले हैं, पड़ोस के बच्चों के साथ। सोचते-सोचते वह सो गई। रात का एक बज गया है, अब शायद आवाजें थक गई हैं। उनमें एक बोझिल आकार पैदा हो गया है। अब थोड़ी-थोड़ी देर में आ तो रही हैं लेकिन अलसाई हुई सी, उनमें थकान है। शायद नशा भी है और कभी-कभी एक नींद की खुमारी भी सुनाई पड़ रही है। पटाखे भी अब थक गए हैं और डीजे भी कम से कमतर हो गया है । रात्रि का मौन पसर रहा है। आज इतवार है तथा बच्चों की छुट्टी है। पड़ोस में फिर चहल-पहल सुनाई पड़ रही है। गृह प्रवेश के लिए हवन का कार्यक्रम शुरू हुआ है। हवन के मंत्रोच्चार भी बाकायदा माइक में बोले जा रहे हैं। आहूतियों के सिलसिले में स्वाहा का समवेत स्वर माहौल को ऊर्जा नृत्य कर रहा है। शारदा का यह साफ-सफाई का वक्त है। सफाई करते हुए वह सोच रही है कि एक बार शिष्टाचार के नाते, औपचारिकतावश ही सही, वह पड़ोस में जा आएगी.. क्योंकि सुबह भी दो महिलाएं बुलावा देने के लिए आई थी। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजी-धजी, हवन का प्रसाद लेकर गई थी। उनके साथ बच्चे खेलते हुए यहीं रुक गए थे। साहब नहा-धोकर, बाहर शहतूत तले, उनकी प्रिय जगह पर अपने हुक्के के साथ बैठे हैं। आंखों में रात भर न सोने के कारण थकान है। शारदा नहा धो चुकी है। उसने कॉटन सिल्क की साड़ी पहनी है। बस साहब के लिए नाश्ता बनाना है, फिर बच्चों के साथ वह थोड़ी देर के लिए पड़ोस में चली जाएगी। हवन हो चुका है व मंत्रोचार के समवेत स्वर सुनाई नहीं पड़ रहे हैं। शारदा रसोई में है और बच्चे दूसरे कमरे में खेल रहे हैं। वह बीच-बीच में दो-तीन बार उन्हें खेलते हुए फुसफुसाकर ताकीद कर आई है कि आवाजें नहीं, चुपचाप खेलते रहो। लेकिन अब की बार वह बच्चों वाले कमरे में आई तो पड़ोस का एक बच्चा कागज से हवाई जहाज बना रहा था। उसने शायद किसी पत्रिका से पृष्ठ फाड़ लिया है। शारदा के लिए यह अप्रत्याशित था। उसने निक्की को पास बुलाकर धीरे से फुसफुसाया.. पापा के लिए नाश्ता बना रही हूं, फिर पड़ोस के फंक्शन में चलेंगे, तब तक तुम सब बच्चों को बराबर वाले लान में, गुलमोहर के नीचे, खेलाओ और बाहर से दरवाजा बंद कर जाओ, नहीं तो ये बार-बार आकर पापा के कागज उठाएंगे। निक्की समझ गई.. वह इन सब में बड़ी बच्ची है.. उसने ऐसा ही किया, बाहर बरामदे का दरवाजा बंद कर दिया ताकि मम्मी आराम से नाश्ता बना सके। साहब को मिट्टी की हंडिया में बना हुआ दलिया नाश्ते में पसंद है। उनका मानना है कि खाने की चीजें भी जितनी धीरे पकती हैं उनमें स्वाद बरकरार रहता है। तेजी से पकी हुई चीजें बे-स्वाद होती हैं। शारदा भी समझ चुकी है कि जिंदगी धीरे धीरे, आराम से और सुकून से जी जाती है। वह दलिया धोकर मिट्टी की हांडी में डालते हुए भी साहब के बारे में ही सोच रही है कि वे रात भर आवाजों से दो-चार रहे और सो न सके। लेकिन बाहर अब सब कुछ शांत है बिल्कुल शांत ... कोई आवाज नहीं आ रही.. सोच कर.. उसे अच्छा लगा। कुछ देर से बच्चों की ओर से भी आवाज नहीं आ रही है। वह सोच रही है शायद बच्चे भी खेलते हुए पड़ोस के समारोह की ओर निकल गए होंगे। साहब नाश्ता करके शायद थोड़ा आराम करें और उनकी आंख लग जाए तो अच्छा हो। वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा ... हालांकि रसोई से बाहर... बरामदे की ओर...वह भागी ..लेकिन भागी तो ... सिल्क और भी भभकी ... अबकी बार । शहतूत के दरख्त के नीचे साहब किसी साहित्यिक पत्रिका में उलझे हैं। हालांकि बीच में उनकी चेतना कुछ समय के लिए घर के मुख्य दरवाजे की ओर गई और उन्होंने बाकायदा देखा भी कि बाहर से बंद है और हल्के-हल्के थपथपाया जा रहा है। कुंडी बाहर से साफ दिख रही है। दोनों किवाड़ धीरे-धीरे आगे-पीछे होते हुए दिखाई दे रहे हैं लेकिन फिर उन्होंने यह सोचकर ध्यान हटा लिया कि बच्चे हैं और पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रहे हैं। पत्रिका में आलेख छपा है .. आवाजों के जंगल में जिंदगी की तलाश... उन्होंने शीर्षक देखा ... उन्हें शीर्षक अच्छा लगा है। शीर्षक से ही उन्हें साफ महसूस हुआ कि आलेख किसी को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा पढ़ने के लिए। लेकिन कुछ जलने की गंध और उनके नासा पुट सक्रिय ....उन्होंने फिर घूम देखा... तो बरामदे के अंदर वाले रोशनदान से धुआं निकल रहा है... मटमैला सा धुआं ... उनकी समझ में कुछ नहीं आया।

वे उठे... कि उन्हें लगा कि जैसे कुछ अप्रिय घटित होने की आशंका के साथ और वे लगभग दौड़ ही पड़े....कुंडी खोली तो अंदर का हृदय विदारक दृश्य ... उन्होंने जिंदगी में पहली दफा किसी नाम को इतनी जोर से पुकारा... शारदा ....ssssss.. और शारदा ने बमुश्किल आंखें खोली और फौरन हाथ से इशारा करते हुए अपनी तर्जनी होठों पर रख ली ।... और इस तरह से साहब की जिंदगी से उस दिन उस आखिरी आवाज ने विदा ली। आजकल वे खोजते फिरा करते हैं आवाजों को... वे मानते हैं कि आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें हैं। आवाजें हमारे होने को तस्दीक करती हैं.. या कि कुछ आवाजें खूबसूरत हुआ करती हैं। उनका होना हमारी जिंदगी को सार्थक कर जाता है। आवाजें लहरों से समंदर की छाती पर अलविदा लिख दिया करती हैं। आकाश की पीठ पर बादलों की आवाजें बरसात नहीं... असल में जिंदगी ही तो लिखा करती हैं। **(समाप्त)**

कविता

राकेश कुमार सपड़ा

तकदीर

निहार लेते और दो घड़ी
जो मालूम होता
अब होगी ना मुलाकात हमारी।

कहते दिल की अपनी
सुनते तुम्हारी
ना कहते
मिलेंगे फिर
होते वक्त विदा
रोक लेते तुम्हें
जो होता मालूम
हमेशा को
हो रहे हैं जुदा
अलविदा कहने को भी
होगी ना अब भेंट हमारी।

यादें तुम्हारी
ना दिल से मिटायेंगे
बितेगा सफर यूँ ही
इक रंगी हमारा
ना होगा ओझल
रहेगा बसा आँखों में
वो अक्स तुम्हारा
चलेंगे हम
संग होगा साया तुम्हारा।

काश दे के आवाज तुम्हें
बुला पाते
एहसास अपने जज्बातों का
दिला पाते
पता जो मालूम होता तुम्हारा
भेज के पाती
बहाने से तुम्हें किसी भी
बुला पाते
कसमें जो रह गई हैं अधूरी
वो निभा पाते।

ख्वाबों का ही अब सहारा होगा
हमसफर कोई दूजा ना हमारा होगा
याद में तुम्हारी
नम आँख में जो आँसू होंगा
कहने को हमारा
नाम उस पर तुम्हारा ही होगा।

कविता

अंजु कपूर गांधी

नारी

सच कहूं तो हर नारी
जिम्मेदारियों के बोझ तले
खुद के सपनों को दबाए
चलती रही ताउम्र बोझा
अपने सिवाए ,सबका उठाए
थकती पर रुकती नहीं है
चलती जाती
जीवन होम किया
फिर भी
अंत ठगा खुद को है पाती
सबसे बड़ी ठगी तो वो है
खुद से ही जो करती जाती
आती -जाती श्वासों में ये जीवन खेले
इससे पहले मृत्यु निज आगोश में ले
लक्ष्य जो चिन्हित किये थे
उनको पाना याद कर
हैं बची सांसें ये जितनी
अब तो अपने नाम कर
खोल दे बंद मुठ्ठियां
ख्वाहिशों को पंख लगा
पांव जमीं पर रहें...
'अंजु' व्योम छू के आ !

लघुकथा

विश्वदीपक त्रिखा

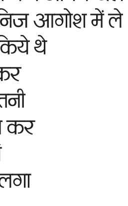

कामवाली बाई

पिछली कामवाली बाई छोड़ गई थी। नई कोई मिल नहीं रही थी। दिक्कत बहुत थी। हम दोनों ऑफिस चले जाते तो घर में बच्चे और बच्चों के दादा-दादी अकेले होते। किसी ने बताया कि दिल्ली में एजेंसी से मिल जाएगी मेड। उनसे बात की। उन्होंने एडवांस पेमेंट ली और उन्हीं का आदमी साथ लेकर आया। एग्रीमेंट पर हमारे हस्ताक्षर करवाए और मेड को छोड़ कर चला गया।

मेड का नाम था लवली। 32/33 की उम्र थी। बंगाल की रहने वाली थी। बंगाली बोलती थी। टूटी-फूटी हिंदी भी बोल लेती थी। दो-चार दिन के बाद उसने मोर्चा संभाल लिया। काम आसान हो गया। खाना बहुत ही अच्छा बनाती थी। और किसी किस्म के नखरे भी नहीं थे। एक साल बाद बोली कि भैया घर जाऊंगी, टिकट बुक करवा दो। मैंने टिकट बुक करवा दी। एक महीने बाद वापस आई तो रो रही थी। बोली भैया रास्ते में टीटी ने 2000 रुपये जुर्माना लगा दिया। आधार कार्ड दिखाया तो कहता टिकिट किसी और के नाम से है।

मैंने कहा, आधार दिखाओ । आधार कार्ड देखा तो उस पर नाम था आबिदा बेगम। टिकट मैंने लवली के नाम से करवाई थी। मेरा काटो तो खून नहीं। मैंने पूछा, लवली आप मुसलमान हो क्या। बोली, हां भैया।

मैं उठ कर दूसरे कमरे में चला गया। मेरी बीवी भी पीछे आ गई। हम दोनों ही परेशान कि ये क्या हुआ हमारे साथ। धोखा ये नहीं कि वो मुसलमान है। धोखा ये कि हमें एजेंट ने या खुद लवली ने ये सब बताया क्यों नहीं। एग्रीमेंट लवली के नाम से ही बना था। हमने उस वक्त आधार देखने की जरूरत ही नहीं समझी। थोड़ी देर में जब हम सदमे से उभरे तो बाहर आकर उसको चाय बनाने के लिए बोला और पहले जैसे ही हंस बोल कर माहौल को हल्का बनाने की कोशिश की ताकि उसको महसूस न हो।

मैं ठहरा ब्राह्मण, वो भी असली वाला और मेरे घर में कामवाली मुसलमान, कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करू। उसके गुण देखूं कि उसका धर्म देखूं। जो गुण थे उसमें, उसके सामने उसका धर्म गौण लगा मुझे। मैं कोई सेकुलर नहीं हूं। कट्टर हिंदू हूं लेकिन कुछ रिश्ते इन सब से ऊपर हो जाते हैं। शायद उसका हमारा रिश्ता कुछ ऐसा ही बन चुका था। वो उमर में मेरे से छोटी थी पर डांटती ऐसे थी जैसे कि मेरी मां हो। घर में चलती भी उसी की थी। मैं कभी बीवी को डांट दूं तो मेरे को डांट दिया करती। कभी मेरे से कोई गलती हो जाती तो मेरी खैर नहीं। हमारे घर में क्या कहां पड़ा है सब उसी को पता होता था न कि मेरी बीवी को। एक तरह से वो घर की कंप्लीट केयरटेकर थी। सब वैसे ही चलता रहा। ईद में मेरी बीवी उसके लिए सिवांइया बनवाती। दीवाली में हमारे साथ वो पूजा करती। उसने हमारे घर 16 साल काम किया। कोरोना की दूसरी लहर में घर गई। फिर वापस आई और एक साल और काम किया लेकिन उसके बाद उमर हो गई थी उसकी भी 50 के आसपास।

अब काम नहीं होता था उससे। बोली, जाऊंगी वापस घर। मेरी बीवी ने बहुत रोका, बोली रुक जाओ। हमें आपकी आदत सी हो गई है। लेकिन चाहते हुए भी वो नहीं मानी। खैर, इतना ही साथ था हमारा। हम उसको दिल्ली स्टेशन पर छोड़ने गए। ट्रेन चली तो हम तीनों की आंखों में आंसू थे।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को जटिल,लेकिन अत्यंत रोचक करार देते हुए कहते हैं कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने साहित्य की प्रकृति, पहुंच और अभिव्यक्ति के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। साहित्य अब केवल शब्दों का खेल नहीं रहा, वह मल्टीमीडिया अनुभव बनता जा रहा है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देता साहित्य : डॉ. सत्यबीर 'निराला'

भारतीय संस्कृति में साहित्य को समाज का दर्पण माना जाता है। इसलिए सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर लेखन के जरिए साहित्य साधना कर रहे साहित्यकार संस्कृति और परंपराओं और सभ्यता के प्रति समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह ऐसे ही साहित्यकार हैं, जिन्होंने पद्य, दोहे, वर्णमाला, चौपाई, भजन, हरियाणवी भजन व बारह मास जैसी विधाओं में सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देने का प्रयास किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को साहित्य संवर्धन का हिस्सा बनाकर उन्होंने हरियाणवी भाषा और संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए कला और संगीत की विधाओं में भी एक कलाकार व गायक और समाजसेवा की भाव के साथ अपनी पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति के प्रति प्रेरित करने पर बल दिया है। वरिष्ठ साहित्कार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' का जन्म 24 अक्टूबर 1956 को रोहतक जिले के गाँव निगाना में एक सामान्य कृषक परिवार में बनारसी दास नम्बरदार व सरबती देवी के घर में हुआ। परिवार में पारिवारिक पृष्ठभूमि में कोई साहित्यिक या सांस्कतिक माहौल नहीं था, लेकिन उन्हें बचपन से ही भजन और गीत गाने का बहुत शौक था। हालांकि होश संभालने के बाद मध्यम वर्ग का परिवार होने की वजह उनके जीवन में भी आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अल्पायु यानी 14 या 15 वर्ष की उम्र में ही लिखना शुरू कर दिया था। वक्त के साथ जब वह बड़े हुए तो उन्होंने अपनी पढाई के साथ में संगीत की शिक्षा ग्रहण करनी भी जारी रखी और जल्द ही वह बड़ी स्टेजों पर बतौर गायक तथा हारमोनियम वादक के तौर पर कार्य करने लगे। समय के साथ ख्याति बढ़ती गई और उन्हें फिल्मों, नाटकों में गीत लिखने के लिए तथा बतौर संगीतकार के तौर पर कार्य करने के अवसर मिलते रहे, लेकिन कहीं न कहीं मन में एक टीस बाकी थी कि उनकी रचनाएं किस प्रकार आने वाली पीढ़ी को जागरूक करे। इसलिए उन्होंने साहित्य लेखन की तरफ अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए। साहित्य सृजन करते हुए वह अब तक करीब 78 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। हालांकि दस पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। कवि धर्म संसद में सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने शुभ आशीष देते हुए उन्हें साल 1990 में 'निराला' उपाधि से नवाजा। हालांकि घर परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए सरकारी नौकरी करने तथा साहित्य लेखन व संगीत के कार्य में सामंजस्य बैठाने में वास्तव में उन्हें बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन हरियाणा सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिक, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्ति के बाद खासतौर से साहित्यिक क्षेत्र की दृष्टि से उन्हें बड़ी राहत मिली। इसलिए अब वह लगातार दिन-रात साहित्य सृजन तथा साहित्यिक गतिविधियों में इतना व्यस्त रहने लगे और अब तक वह करीब 75 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। साहित्य और संगीत में पीएचडी की मानद उपाधि हासिल कर चुके डॉ.सत्यबीर सिंह, आमतौर पर उनके लेखन का फोकस हर विषय पर रहा है, लेकिन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों, अध्यात्म एवं जनजागृति पर आधारित रचनाओं पर ज्यादा कलम चलाई है। साहित्य सृजन के अलावा वह सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रीय हैं और निराला चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक निदेशक के रूप में वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में अब तक 150 महिलाओं एवं लड़कियों को निःशुल्क एडवांस बेसिक कंप्यूटर कोर्स और बेसिक कंप्यूटर कोर्स करवाए जा चुके हैं। वहीं पौधरोपण, रक्तदान आदि गतिविधियों तथा धर्म प्रचार-प्रसार कार्यों में अहम वह लगातार अपनी भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने बताया कि वह अब तक हरियाणवी भाषा में 250 से ज्यादा गीत, कविताएं लिख चुके हैं, जिसमें उनकी एक पुस्तक 'टूटता तारा' हरियाणवी भाषा मे प्रकाशित हो चुकी है। बतौर संगीतकार, गीतकार, गायक एवं अदाकार के रूप में कई हरियाणवी फिल्मों, टेलीफिल्मों तथा नाटकों में कार्य किया। वे कहते हैं कि साहित्यकारों को अपनी रचनाओं और लेखों को रोचक व प्रासंगिक बनाने के लिए विज्ञान, राजनीति, समाजशास्त्र के साथ साहित्य का संवाद स्थापित करना होगा।

प्रकाशित पुस्तकें

निराला' ने अब तक हिंदी व हरियाणवी भाषा में 75 से ज्यादा पुस्तकें लिखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से आइना - ए-निराला, सत्य की ओर, दरकते-रिश्ते, अदालत, प्यार का पैगाम,घटता आँचल, टूटता तारा (हरियाणवी), संत बाबा मेहरशाह (ग्रंथावली) शामिल हैं। उनकी साझा संग्रह पुस्तकों में 'पौत्र प्रभाविकरण', 'तनै कर दिया इसा कमाल', 'गुरु कृपा', 'संस्कारों की क्यारी', 'प्यारा नंद लाला', 'भारत माता की जय', 'मेघा पुष्प', 'कविता कौमुदी' के अलावा प्रकाशनाधीन साझा संग्रह पुस्तक 'एकता', 'बेरहम' और 'महिलाओं की प्रधानता और नेतृत्व' शामिल हैं।

डॉ.सत्यबीर सिंह 'निराला'

पुरस्कार व सम्मान

डॉ. सत्यबीर को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी से 'हरियाणवी भाषा के विकास की संभावनाए' विषय पर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। उनको प्रमुख रूप से राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान, राष्ट्रीय कबीर कोहिनूर सम्मान, 'बाल अधिकार साहित्य सम्मान, अटलश्री सम्मान, विधा भास्कर निराला सम्मान, कवि महेन्द्र सिंह नंबरदार स्मृति सम्मान, मिसरी-जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव साहित्य सम्मान, प्रकृति गौरव सम्मान, संस्कृति प्रेमी सम्मान, सनातन धर्म और साहित्य सम्मान शामिल हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला'
जन्मतिथि :24 अक्टूबर 1956
जन्म स्थान :गांव निगाना, रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : इंटरमिडिएट, पीएचडी उपाधि
संप्रति : साहित्यकार, संगीतकार, गायक एवं समाजसेवी, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्त।

वेदना और संवेदना का मिश्रित रंग है अमूर्त काल

पुस्तक : अमूर्त काल
लेखक : अजय रोहिल्ला
मूल्य : 350 रुपये
प्रकाशक : आधार प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

भारत भूषण शर्मा

अजय रोहिल्ला एक विद्रोही वजूद का मानवीय नाम है, जो उनकी सोच, समझ और स्वभाव का प्रतिबिंब बनकर, कभी उन्हें रंगमंच का कलाकार, कभी निर्देशक, कभी सिल्वर स्क्रीन पर एक सक्षम अभिनेता तो कभी चित्रकार के रूप में सामने लाता है। उनके विद्रोही और आक्रामक स्वभाव का एक नया रूप कवि के रूप में देखने को मिला है।

उनका कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के रूप में हमारे सामने है। हालांकि, अजय की कविताओं को मैंने इस संग्रह से हटकर भी पढ़ है। कई संदर्भों में महसूस किया है। अजय रोहिल्ला की कविताओं को समझने से पूर्व यदि उनके कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के शाब्दिक, व्याकरणिक अर्थ को समझ लेंगे तो इन रचनाओं को समझने में आसानी होगी। 'अमूर्त काल' यानि जो किसी स्पष्ट क्रिया या निश्चित समय का संकेत नहीं देते, बल्कि किसी कार्य की सामान्य स्थिति, इच्छा भावना या संभावना को प्रकट करते हैं। कविता संग्रह 'अमूर्त काल' एक गूढ़ अवधारणा है, जो कवि को समय की सीमाओं पर जाकर अनुभूति, स्मृति, कल्पना और भावना के माध्यम से व्यक्त करने की स्वतंत्रता देती है। उपरोक्त व्याकरणिक परिभाषा के अनुरूप अजय रोहिल्ला अपनी सोच, अपनी काल्पनिकता और अपने विद्रोही तेवरों को कविताओं के माध्यम से उकेरने में सफल हुए हैं। उनके कविता कौशल के कुछ शानदार, उद्वेलित करने में सक्षम नमूने देखिए-

युद्ध एक काला घाव
जो आकाश फटता है
उसके छींटें
हड्डियों की चीख, बारूद की गंध
पर नजर पड़ते ही
वह घाव सिकुड़ता है
और कीचड़ में खिल उठता है कमल
जो रात के स्वप्न में तैरता है...

इनके अलावा भी बहुत सी घायल संवेदनाएं, आहत अहसास और सहमी हुई सिसकियां हैं, जो अजय रोहिल्ला के 'अमूर्त काल' में उसने वेदना और संवेदना के मिश्रित रंगों से उकेरी हैं। 'अमूर्त काल' में छपी उसकी सभी रचनाओं के केंद्र में विश्व मंच पर लगातार हो रहे इंसानियत के ह्रास की तस्वीर नजर आती है। इस कविता संग्रह को उस शख्स को एक बार तो अवश्य पढ़ लेना चाहिए, जो समाज और समय में संक्रमित हो रहे संदर्भों से विचलित होने में सक्षम हो, जिसके अंदर इंसानियत को जिंदा रखने की ललक भी हो।

खबर संक्षेप

झज्जर। जन्माष्टमी उत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो :हरिभूमि

जन्माष्टमी उत्सव में श्रद्धालुओं ने लिया मधुर भजनों का आनंद

झज्जर। अंबेडकर चौक स्थित श्रीश्याम अखंड ज्योति मंदिर में जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया। शाम करीब सात बजे से शुरू हुआ भजन-कीर्तन कार्यक्रम रात करीब बारह बजे तक चला। भजन गायक विक्की भगाना, दामिनी पंचाल, मुकेश शेरवाल, पंकज तलवार,ओपी सैनी, मनोज सोनी आदि ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का गुणगान किया। मंदिर समिति प्रधान पंडित सुभाष दीवान ने बताया कि कीर्तन के उपरांत श्रद्धालुओं में शाही पंजीरी व चरणामृत का प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर मनोज दीवान, बृजमोहन कौशिक, आजाद दीवान, कृष्ण, हर्ष शर्मा, मनोज कौशिक, बालकिशन बंसल, सोमबीर अत्री, पवन सिंह, नीरज प्रजापति, दिनेश प्रजापति, मानु सैन, लोकेश वर्मा, नरेंद्र सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की

मनीषा को न्याय दिलाने के लिए निकाला कैंडल मार्च

बहादुरगढ़। मनीषा को न्याय दिलाने के लिए कैंडल मार्च निकालते युवा।

झज्जर। शहर की सड़कों पर रोष प्रदर्शन करते हुए युवा। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

टीचर मनीषा की हत्या से गुस्साए लोगों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। प्रदेशभर में प्रदर्शन और कैंडल मार्च हो रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार की शाम को कुलासी गांव के ग्रामीणों ने बहादुरगढ़ में कैंडल मार्च निकालकर न्याय की आवाज उठाई। कैंडल मार्च ताऊ देवीलाल पार्क से शुरू होकर रोहतक-दिल्ली रोड स्थित शहीद स्मारक पर संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में शामिल युवाओं ने सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मनीषा के दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर फांसी की सजा दिलाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि मनीषा 11 अगस्त को लापता हुई थी और दो दिन बाद 13 अगस्त को उसका शव बरामद हुआ। दरिंदों ने मनीषा की बेहद क्रूरतापूर्वक हत्या की। युवाओं ने आरोप लगाया कि मामले में पुलिस की कार्यशैली संतोषजनक नहीं रही।

कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस अभी तक हत्यारों तक नहीं पहुंच पाई है। अजित क्रांतिकारी, नीरज खत्री, सुरेश फौजी, जीतू, मोहित, बलजीत, राहुल, लक्ष्य, प्रवेश, अजित, मोहित, ऋतिक, जयपाल सांगवान, सुषमा सांगवान आदि ने कहा कि दोषियों को फांसी देकर ऐसी मिसाल कायम की जानी चाहिए की भविष्य में किसी बेटी के साथ इस तरह की वारदात न हो।

शिक्षिका मनीषा को न्याय दिलाने के लिए सड़कों पर उतरे युवा, जताया रोष

झज्जर। शिक्षिका मनीषा हत्याकांड से आक्रोषित गांव पलड़ा, खातीवास, खेड़ी व जहाजगढ़ आदि गांवों के युवाओं ने रविवार को भगत सिंह चौक से शहर भर में रोष प्रदर्शन करते हुए मनीषा को न्याय दिलाने की मांग की। युवा साहिल, सौरभ आदि ने कहा कि उनकी बहन बेटियां भी गांव से शहरों में पढ़ाई के लिए जाती है। ऐसे में युवतियों की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लगे हैं और अभिभावकों में भय का माहौल बना हुआ है। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस मामले में पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। पुलिस को चाहिए कि वे हत्यारोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए। युवाओं ने कहा कि वे तब तक रोष प्रदर्शन करते रहेंगे जब तक मनीषा को न्याय नहीं मिलेगा। बता दें कि भिवानी जिले के ढाणी लक्ष्मण निवासी मनीषा प्राइवेट प्ले स्कूल की टीचर थीं। बीती तेरह अगस्त को मनीषा का शव सिंघानी गांव के खेतों में गली सड़ी-गली अवस्था में मिला था। चिकित्सकों के अनुसार ग्यारह अगस्त को मनीषा की हत्या की गई थी। फोरेसिंक एक्सपर्ट के अनुसार हत्या में तेजधार हथियार का इस्तेमाल किया गया था।

ग्रामीणों को जनसभा का निमंत्रण दिया

■ अधिक से अधिक संख्या में जनसभा में पहुंचने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इनेलो नेता भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने आगामी 20 अगस्त को बहादुरगढ़ में होने वाली जनसभा के लिए कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों को निमंत्रण देने के लिए कई गांवों का दौरा किया। भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने नयागांव, बालोर, सोलधा, ईस्सरहेड़ी, सिद्दीपुर, लोवा कलां सहित कई गांवों का दौरा कर लोगों से अधिक से अधिक संख्या में जनसभा में पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि इनेलो सुप्रीमो चौ. अभय सिंह चौटाला 20 अगस्त की सुबह नजफगढ़ रोड स्थित राठी फार्म हाउस में जनसभा करेंगे। यह कार्यक्रम 25 सितंबर को रोहतक में होने वाली सम्मान दिवस महारैली की तैयारी का हिस्सा है। राठी ने कहा कि इनेलो गरीब, किसान, मजदूर, महिला और युवा के अधिकारों व सम्मान की लड़ाई लड़ने वाली पार्टी है। इस मौके पर इनेलो जिला शहरी अध्यक्ष रामनिवास सैनी, देवेंद्र दहिया, सहदेव नंबरदार, मुख्तयार सिंह, आजाद काजला, अजय पहलवान, धर्म सिंह गोठवाल, कंवल सिंह, सहित अन्य मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। ग्रामीणों को जनसभा का निमंत्रण देते भूपेंद्र राठी। फोटो :हरिभूमि

दुल्हेड़ा में उत्साह से मनाई गई जन्माष्टमी

बहादुरगढ़। गांव दुल्हेड़ा के शिव मंदिर में 38वां श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का चित्रण और आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण रही। कार्यक्रम के दौरान हजारों भक्तों में उत्साह देखने को मिला। मुख्य अतिथि किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष व समाजसेवी दीपक देशवाल का समिति द्वारा पटका, पगड़ी और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। उन्होंने झांकियों की सराहना करते हुए कहा कि ये दृश्य भगवान श्रीकृष्ण के अलौकिक स्वरूप के दर्शन कराते हैं। इस मौके पर शुगन मास्टर, शोरी मास्टर, मोनू सरपंच, समिति प्रधान प्रिंस देशवाल, जितेंद्र मास्टर, सुनील, हरिओम शर्मा सहित कई मौजिज लोग मौजूद रहे।

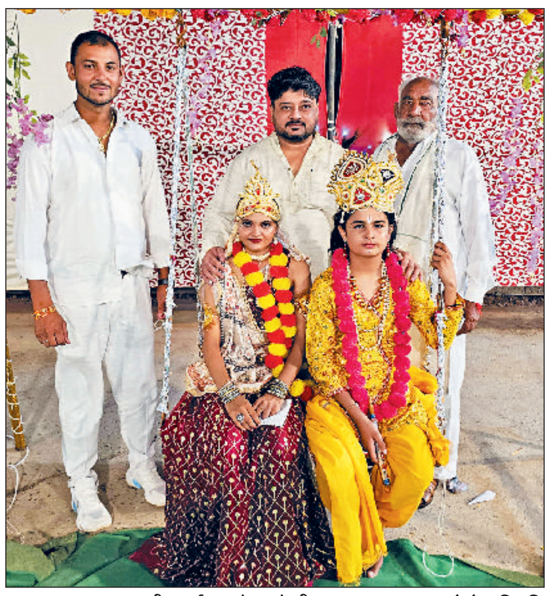
बहादुरगढ़। जन्माष्टमी कार्यक्रम में पहुंचे दीपक व अन्य। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कांता देवी महाराज। फोटो :हरिभूमि

विदेशी वस्तुओं की जगह स्वदेशी अपनाना ही सच्चा धर्म : कांता देवी महाराज

झज्जर। स्थानीय प्रेम मंदिर में चल रहे दो दिवसीय उत्सव में श्रीप्रेम मंदिर पानीपत की अध्यक्ष कांता देवी महाराज ने प्रवचन कार्यक्रम में मौजूदा जनसमूह से कहा कि वे हिंदुत्व की राह को अपनाते हुए अपने धर्म के प्रति सजग और कर्तव्यनिष्ठ रहे। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य सनातन धर्म को स्थापित करना है और जिस दिन अधिकांश सनातन हिंदू जाग जाएंगे, उसी दिन से भारत हिंदू राष्ट्र बनने की ओर अग्रसित होगा। उन्होंने कहा कि धर्म-संस्कृति की पहचान को छिपाना नहीं बल्कि इसे दिखाना चाहिए। उन्होंने जाति और धार्मिक विभाजन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया और हिंदू एकता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा कांता देवी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार को केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि यह धार्मिक-आध्यात्मिक तपस्या, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान का हिस्सा भी है। उन्होंने कहा कि विदेशी वस्तुओं की जगह स्वदेशी अपनाना ही सच्चा धर्म और राष्ट्रधर्म है।

मांडोठी में निकाली गई जागरूकता रैली

बहादुरगढ़। गांव मांडोठी में रविवार को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली गांव के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से शुरू होकर विभिन्न गलियों से होकर गुजरी। इस दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में स्लोगन और बैनर लेकर ग्रामीणों को बेटियों की शिक्षा, लिंगानुपात सहित अन्य मामलों पर जागरूक किया। कार्यक्रम में डॉक्टर, एएनएम, आशा वर्कर, आंगनबाड़ी वर्कर और गांव की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुईं। रैली के दौरान बेटियों को पढ़ाने, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने और लिंगानुपात सुधारने पर विशेष बल दिया गया। गांववासियों ने इस पहल का स्वागत किया और बेटियों की शिक्षा व सुरक्षा को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। डॉ. संदीप, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. योगेश, एलएचवी सुशीला, एएनएम सुशीला, एएनएम पिंकी, स्टाफ नर्स प्रीति, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर प्रीति, आंगनबाड़ी वर्कर्स संगीता सहित कई महिलाएं कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

बहादुरगढ़। वेलनेस सेंटर से गांव के लिए निकलती जागरूकता रैली।

झज्जर। कार्यक्रम में दौरान उपस्थित आर्यजन। फोटो :हरिभूमि

संसार के कण-कण में विराजमान है परमात्मा

झज्जर। रविवार को शहर के भट्टी गेट स्थित महर्षि दयानंद शिक्षण केंद्र में वैदिक सत्संग, यज्ञ-भजन- प्रवचन एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेहरू कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉक्टर होशियार सिंह ने की जबकि यज्ञ के ब्रह्मा के रूप में मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पलवल के प्राचार्य बालेश्वर उपस्थित रही। डॉक्टर होशियार सिंह ने कहा कि परमात्मा का वास संसार के कण-कण में मौजूद है। उसका आभास हमें आत्म बोध होने पर होता है। आचार्य बालेश्वर ने पूरे विधि-विधान के साथ यज्ञ संपन्न कराते हुए बताया कि आर्य विचारों को अपनाकर ही व्यक्ति व समाज की उन्नति हो सकती है। उन्होंने महर्षि दयानंद की पुस्तक सत्यार्थ प्रकाश व ऋग्वेद की सराहना करते हुए उनके बारे विस्तृत जानकारी दी। मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित पंडित जयभगवान आर्य ने ने वर्तमान परिस्थिति में आर्य विचारों को घर-घर तक पहुंचाने की अपील की। इनके अलावा विशिष्ट अतिथि डॉक्टर गौतम, हरियाणा संस्कृत अध्यापक सगंठन के प्रधान कृष्ण शास्त्री , बेरी के पूर्व विधायक अजीत सिंह, यादव धर्मशाला प्रधान दलपत यादव, आर्य समाज के मंत्री लाला प्रकाशवीर, विदुषी सुमित्रा, ब्रह्मचारी इंद्रजीत, सूर्य प्रकाश, जिले सिहं आर्य, चमनलाल, रामपत, जयपाल, विद्या देवी, सुरेश, पुष्पा, मनस्वी, सोनिया आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के आयोजक महाशय रतीराम आर्य ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले आर्यजनों को सम्मान स्वरूप वैदिक साहित्य भेंट किया।

न्यूज डायरी

विधायक ने भंडारों में शिरकत की

बहादुरगढ़। भंडारा कार्यक्रम में पहुंचे विधायक राजेश जून। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने रविवार को गांव बामड़ोली व कानोंदा में आयोजित धार्मिक भंडारा कार्यक्रमों में शिरकत की। गांव बामड़ोली में दादा थान के विशाल भंडारे तथा गांव कानोंदा में आयोजित जाहरवीर गोगा के 16वें भंडारे में पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक राजेश जून का जोरदार स्वागत व सम्मान किया। विधायक ने दोनों ही भंडारों में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी नेक कमाई से दोनों जगह 11-11 हजार रुपये दानराशि भेंट की।

भापड़ोदा में युवाओं ने लगाए पौधे

बहादुरगढ़। न्यू होप मिशन सोसाइटी की ओर से गांव भापड़ोदा में रविवार को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर पौधे लगाए। इस अवसर पर बैंक मैनेजर अनिल चड्ढा ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों का होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्धियों को सोखकर हमें स्वच्छ हवा प्रदान करते हैं, इसलिए अधिक से अधिक पौधरोपण करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में न्यू होप मिशन सोसाइटी से प्रशांत गौतम, आशीष राठी, मोहित राठी, कुलदीप राठी सहित अन्य ग्रामीण भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। भापड़ोदा में पौधा लगाते युवा।

मंदिरों में देर रात तक हुए भक्तिमय कार्यक्रम

बहादुरगढ़। क्षेत्र में जन्माष्टमी पर्व बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। देर रात तक मंदिरों में भक्तिमय कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन ने भी विभिन्न मंदिरों में जाकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की और भक्तों के बीच शामिल होकर कार्यक्रमों में शिरकत की। मंदिरों में पहुंचे डॉ. पंकज जैन का श्रद्धालुओं व आयोजकों ने पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान मंदिर प्रांगण जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। डॉ. पंकज जैन ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने धर्म की रक्षा, अन्याय के विरोध और समाज को सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

झज्जर। नव पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए यादव महासभा सदस्य।

यादव समाज के होनहार युवाओं को किया सम्मानित

झज्जर। सिलानी गेट स्थित श्रीकृष्ण भवन में यादव महासभा द्वारा मीटिंग एवं हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महासभा सदस्यों ने हवन में आहुति डालकर सर्वमंगल की कामना की। मीटिंग में कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष संजय यादव, कोऑपरेटिव बैंक रेवाड़ी के चेयरमैन बने अजय पाटौदा व वीटा प्लांट रोहतक सर्कल के चेयरमैन बने रामनिवास सरपंच का समाज की ओर से फूल माला और पगड़ी पहना कर स्वागत किया गया। इस मौके पर यादव महासभा के प्रधान रामावतार पाटौदा, उपप्रधान महेंद्र सिंह यादव, सचिव विजय यादव, खजांची उजाला साहब, सेवानिवृत प्राचार्य एचएस यादव, राव धनीराम, पूर्व प्रधान वीरेंद्र दरोगा, देवेंद्र यादव, पूर्व नप पार्षद राव नाहर सिंह, पूर्व चेयरमैन प्रकाश यादव, सरपंच महावीर, अजीत सरपंच , पूर्व सरपंच साधुराम, पूर्व सरपंच अतर सिंह, रामकिशन नंबरदार, सुनील, काले यादव, कुलदीप बोहरा, कृष्ण दहिया, पूर्व सरपंच रतन सिंह, संतराम नंबरदार, राजेंद्र यादव, डॉक्टर प्रवीण, सहदेव, मास्टर राजवीर, दलपत यादव, मास्टर सुरेंद्र यादव, गणेश यादव, जगदीश यादव, मास्टर महेंद्र, ब्रह्म यादव, दलीप यादव, वेद यादव, महेश यादव, अनिल यादव, विजय नंबरदार, कृष्ण यादव, राकेश दरोगा, होशियार सिंह, नवनीत यादव सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

जिओ फेसिंग लोकेशन आधारित उपस्थिति दर्ज करने के विरोध में सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। विधायक गीता भुक्कल को ज्ञापन सौंपते हुए स्वास्थ्य विभाग कर्मी।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने जिओ फेसिंग लोकेशन आधारित उपस्थिति दर्ज करने के आदेशों को वापस लेने की मांग को लेकर रविवार को पूर्व शिक्षा मंत्री एवं स्थानीय विधायक गीता भुक्कल को ज्ञापन सौंपा। स्वास्थ्य कर्मियों ने सरकार के इन आदेशों को अव्यवहारिक और निजता के अधिकार का हनन बताया। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि आठ जुलाई को उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री आरती राव को भी ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया था कि इन आदेशों पर अधिकारियों से बात करके समाधान निकाला जाएगा और किसी को भी इसके लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। स्वास्थ्य कर्मियों का आरोप है कि मंत्री की आश्वासन के बावजूद कुछ अधिकारी पत्र जारी कर रहे हैं। जिससे सरकार और कर्मचारियों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। संगठन के राज्य सह सचिव सुखविंदर ने बताया कि जब बायोमैट्रिक उपस्थिति पहले से ही लागू है तो जिओ फेसिंग का कोई औचित्य नहीं है।इसे संविधान में दिए गए निजता के अधिकार का उल्लंघन और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के विरुद्ध बताया। ज्ञापन में यह भी बताया गया है कि कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों पर फूल बरसाए गए, लेकिन अब स्वास्थ्य विभाग पर ही यह नियम लागू करके उनका मनोबल तोड़ने की कोशिश की जा रही है। इस दौरान एमपीएच एसोसिएशन के जिला प्रधान प्रवीण कुमार, सचिव आनंद कुमार, राजेश कुमार, बलराज सिंह, कांता देवी, सतीश कुमार, रविंदर, रविंद्र कुमार, धीरज सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बाबा कांशीगिरी मंदिर में एक शाम बाल गोपाल के नाम भजन संध्या का आयोजन

राधा रानी कृपा कीजिए, आंचल में छिपा लीजिए..

■ सरस्वती वंदना से एक शाम लड्डू गोपाल के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में एक शाम बाल गोपाल के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए भगवान श्रीकृष्ण को नमन किया। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी पर्व भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव हैं। श्रीकृष्ण की पूजा करने से मन को शांति मिलती हैं। लड्डू गोपाल आस्था और श्रद्धा का प्रतीक हैं। इनकी कृपा से हर काम सिद्ध होते है। कार्यक्रम में योगेश रंजन ने जय गणेश जय महादेवा, माता जानकी पार्वती पिता महादेवा..गणेश वंदना, सरस्वती वंदना से एक शाम लड्डू गोपाल के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ किया। योगेश रंजन ने राधा रानी कृपा कीजिए, आंचल में छिपा लीजिए... राजेंद्र वधवा ने करता रहूं गुणगान मुझें दो ऐसा वरदान..जरा सर झुकाओं वासुदेव जी तेरी टोकरी में त्रिलोकीनाथ है..दिनेश दुजाना ने राधा राधा पुकारे श्याम गलियों में..सुरेंद्र गंभीरिया ने फूलों में सज रहे है श्री वृंदावन बिहारी..भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर पार्षद जयपाल सिंह बांगड़, पार्षद प्रतिनिधि बिट्टू छाबड़ा, वेद बहल पाशु, पंडित श्रीभगवान कौशिक, आशीष चावला, डॉक्टर शंकर ग्रोवर, सुभाष वर्मा, सुंदर वर्मा, वीके शर्मा, आदर्श वर्मा, दीपक धीमान, प्रवीण सुखीजा, संजय मक्कड़, मुकेश पोपली, आनंद कुमार, सूबे सिंह हरित, श्रीभगवान, कमल लता शर्मा, संगीता वर्मा, साक्षी नागपाल सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

झज्जर। भगवान श्रीकृष्ण को नमन करते हुए नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी।

बूस्टिंग स्टेशन की क्षमता बढ़ाने की मांग

बहादुरगढ़। भाजपा नेता जसबीर सैनी ने मुख्यमंत्री से सैनीपुरा बूस्टिंग स्टेशन की क्षमता बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि दयानंद नगर, सैनीपुरा, जटवाड़ा मोहल्ला, हरिनगर सहित कई इलाकों को इस बूस्टर से पानी सप्लाई की जाती है, लेकिन बढ़ते क्षेत्रफल के कारण दिक्कतें आ रही हैं। सैनी ने खाली पड़ी जमीन पर नया बूस्टर टैंक बनाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि जनहित में जल्द कार्य कराया जाएगा। इस मौके पर अत्रे मिस्त्री, जयकिशन, सुभाष सैनी समेत कई लोग मौजूद रहे।

■ सैनी ने खाली पड़ी जमीन पर नया बूस्टर टैंक बनाने का आग्रह किया

श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही ऑपरेशन सिंदूर की झांकी

झज्जर। कुटुम्ब प्रबोधन व प्रसादगिरी गुरुकुलम के बच्चों द्वारा जन्माष्टमी पर्व पर बाबा प्रसादगिरी मंदिर में पहलगाम की घटना व उसके बाद भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की झांकी का आयोजन किया गया। झांकी में एक्ट के माध्यम से भारतीय सैनिक बने बच्चों द्वारा जहां पाकिस्तानी ड्रोन को ध्वस्त करने का मंचन किया वहीं विंग कमांडर व्योमिका सिंह व कर्नल सोफिया कुरैशी द्वारा समाज को दिए संबोधन का दृश्य भी दिखाया गया। इसके अलावा वृंदावन के मनोज पांडे की टीम द्वारा दिखाई गई रासलीला ने भी श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। इस मौके पर मंदिर महंत परमानंद गिरी महाराज, मृत्युंजय गिरी महाराज, संतोष गिरी, महेंद्र बंसल, नवनीत, चिमनलाल, डॉक्टर सुभाष, शिवकुमार, एडवोकेट पंकज शर्मा, उमाशंकर वशिष्ठ, धर्मेंद्र बसवाल, नरेंद्र तिवारी सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

गांव बामड़ोली में रक्तदान शिविर लगा

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय की वाईआरसी स्वयंसेविकाओं ने गांव बामड़ोली में आयोजित रक्तदान शिविर में भाग लिया। मिशन जन जागृति ब्लड सेंटर दिल्ली व समाजसेवी सुनील कुमार के सहयोग से हुए इस शिविर में स्वयंसेविकाओं ने रजिस्ट्रेशन, बैज वितरण व बैंडेज लगाने जैसे कार्य किए। ग्रामीणों को रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूक किया।

गांव बुपनिया में पूर्व सैनिकों का सम्मान

बहादुरगढ़। गांव बुपनिया स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में देश की रक्षा करने वाले पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। कैप्टन प्रताप सिंह ने ध्वजारोहण किया। करीब 95 वर्षीय कैप्टन प्रताप सिंह ने बच्चों को अनुशासन में रहने और मन लगाकर पढ़ने को प्रेरित किया। प्रिंसिपल नरेंद्र गुप्ता व सरपंच प्रतिनिधि आजाद ने दसवीं व 12वीं परीक्षा में शीर्ष स्थान पाने वाले बच्चों को सम्मानित किया।

आवास बोर्ड हरियाणा की ऑनलाइन सुविधा शुरु

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि आवास बोर्ड हरियाणा ने रिफंड से संबंधित सभी विवादों के त्वरित निपटान के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब आवेदक बीडब्ल्यूएस, बीपीएल, पीएचटीवाई, डिफेंस स्कीम व अन्य स्कीमों से जुड़े रिफंड के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड ने इसके लिए वेबसाइट पर लिंक जारी किया है।

देशी कपास के लिए मिलेगा अनुदान

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि सरकार द्वारा राज्य में देशी कपास की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को को तीन हजार रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके लिए बीस अगस्त तक आवेदन किया जा सकता है।

गांव सिलाना, खानपुर कलां, ढाकला, सिवाना व बिठला आदि स्थानों पर भी लगा मेला

श्रद्धा के साथ मनाई गोगा नवमी, मेले में उमड़ी लोगों की भीड़, खूब की खरीददारी

■ श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाने गोगा नवमी पर्व रविवार को जिले भर में धूमधाम व श्रद्धा के साथ मनाया गया। झज्जर सहित जिले के गांव सिलाना, खानपुर कलां, ढाकला, सिवाना व बिठला आदि स्थानों पर मेले का आयोजन किया गया।

श्रद्धालुओं ने गोगा नवमी के चलते अलसुबह उठकर नवमी के प्रसाद के रूप में खीर-चूरमा व गुलगुले आदि व्यजंन तैयार किए। इसके उपरांत विधिवत बाबा जाहरवीर को भोग लगाया। शहरी क्षेत्र में शाम के समय रेवाड़ी रोड स्थित गोगा जहारवीर की मंढी पर मत्था टेक कर घर में बनाया गया प्रसाद व शक्कर सिरनी चढ़ाते हुए श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मेले में जहां बच्चों ने खिलौनों की खरीददारी की। श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शनों के लिए बारी का इंतजार करना पड़ा। मंदिर के पिछले वाले भाग में स्थित जोहड़ी पर जाकर लोगों द्वारा मिट्टी छांटने की पारंपरिक रस्म भी निभाई।

झज्जर। मेले में जाहरवीर गोगा जी के दर्शनों के लिए कतारबद्ध श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। कुश्ती दंगल में पहलवानों के हाथ मिलवाते आयोजक समिति सदस्य।

गुरु गोरखनाथ के वरदान से पैदा हुए थे गोगा जहारवीर

धार्मिक कथाओं के अनुसार जहारवीर गोगाजी महाराज उनकी मां बाछल देवी द्वारा की गई वर्षों की तपस्या के बाद पैदा हुए थे। माना जाता है कि गोगाजी की मां बाछल देवी निःसंतान थीं। जब एक बार गुरु गोरखनाथ उनके यहां आए तो उन्होंने कई वर्षों तक उनकी आराधना व सेवा सुश्रुषा की। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर गुरू गौरखनाथ ने बाछल देवी को पुत्रवती होने का वरदान दिया। जिसके बाद भाद्रपद की नवमी तिथि को गोगाजी का जन्म हुआ। गोगाजी को गोगा देव, जहारवीर, जहारपीर, नीले घोड़े वाले व सर्पों के देवता के रूप में भी जाना जाता है। उनके कई चित्रों में उन्हें नीले घोड़े पर सवार तथा गले में सर्प के साथ दर्शाया गया।

कुश्ती दंगल में पहलवानों ने दिखाया दम खम

झज्जर। गोगा नवमी पर्व पर क्षेत्र के गांव सिवाना में विशाल कुस्ती दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में प्रदेश के नामी पहलवानों ने भाग लेते हुए अपना दम खम दिखाया। पूर्व सरपंच भागमल ने बताया कि उनके गांव के जाहरवीर गोगा मंदिर में गोगा नवमी पर दूर-दराज से श्रद्धालु दर्शनों के लिए पहुंचते हैं। ग्राम वासियों के सहयोग से पिछले करीब अस्सी वर्षों से प्रतिवर्ष कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया जाता है। सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर राममेहर सांगवान ने बताया कि इस प्रकार के ग्रामीण दंगलों से छोटे पहलवानों की प्रतिमा निखर सामने आती हैं। खेलकूद प्रतियोगिता हमारे जीवन के अभिन्न अंग है। इससे युवाओं में नया जोश और उमंग आतीं हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि युवा नशा, मोबाइल जैसी लतों का परित्याग करें और अपने जीवन का एक लक्ष्य निर्धारित करें। मास्टर बिजेंद्र कादियान ने दंगल के दौरान गांव की होनहार बेटियों का सम्मान भी किया गया। दंगल में पुरुषों के अलावा महिला पहलवानों ने भाग लिया। मौके पर कोच जोगेंद्र, कोच श्रीभगवान, कोच जगत, कालू पहलवान, ओम नारायण, राजू बाबा, अशीष, पूर्व सरपंच राजेंद्र, सुखबीर, नवीन, नरेश पहलवान, लीला प्रधान, मंगल पहलवान अन्य मौजूद रहे।

निलोठी में पूर्व कैप्टन ने किया ध्वजारोहण

बहादुरगढ़। गांव निलोठी स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भूतपूर्व सैनिक कैप्टन बलबीर सिंह दहिया ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सदस्यों, पूर्व सैनिकों सहित अन्य ग्रामीणों ने शिरकत की। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं। पूर्व सैनिकों ने बच्चों को अनुशासन में रहने और राष्ट्र हित में काम करने को प्रेरित किया। इस दौरान ग्राम प्रधान द्वारा प्रसाद वितरित किया गया। प्रधान ओमप्रकाश सहित अन्य ग्रामीण इस अवसर पर मौजूद रहे। प्रिंसिपल विजय खत्री ने ग्राम पंचायत व ग्रामीणों का धन्यवाद किया।

सोलधा में किया गया रक्षकों को सलाम

बहादुरगढ़। गांव सोलधा में स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में देश के रक्षकों को सलाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव के 35 भूतपूर्व सैनिकों ने भाग लिया। सबसे अधिक उम्र के पूर्व सैनिक नफे सिंह व रणधीर सिंह ने ध्वजारोहण किया। प्रिंसिपल मूर्ति देवी व अन्य शिक्षकों ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में शहीद रामफल की पत्नी अनीता का भी सम्मान हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिये वीर सैनिकों, क्रांतिकारियों को नमन किया। प्रशासनिक अधिकारी दलेल सिंह ने 20 कुर्सी, कैप्टन रामपाल 1100 रुपये, आनंद प्रधान ने 1100, सतीश ने माइक व साउंड सिस्टम, शहीद रामफल की पत्नी अनीता ने तीन पंखे, सहित अन्य ने स्कूल में नकद व सामान दान दिया।

गोशाला को 35 लाख की आर्थिक सहायता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

मांडोठी स्थित आर्यावर्त गोशाला को हरियाणा सरकार की ओर से 35 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। रविवार को विधायक राजेश जून ने गोशाला प्रबंधन समिति को यह चेक सौंपा। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि बीजेपी सरकार से पहले किसी भी सरकार ने इतनी बड़ी सहायता राशि नहीं दी थी।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेशभर में गोशालाओं को मजबूत करने के लिए आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है।

राजेश जून ने आर्यावर्त गोशाला की वर्षों से हो रही सेवा कार्यों की सराहना की। प्रबंधन समिति ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधायक राजेश जून का आभार जताते हुए कहा कि पूरी धनराशि पारदर्शिता के साथ गोसेवा और गोशाला के रखरखाव में खर्च की जाएगी।

बहादुरगढ़। समिति को चेक सौंपते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिले में जनसमस्याओं के जल्द समाधान के उद्देश्य से सोमवार को समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। सुबह दस बजे से 12 बजे दो घंटे तक शिविरों का आयोजन होगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस रूम में लगेगा। वहीं, उपमंडल स्तर पर बहादुरगढ़, बादली और बेरी में लघु सचिवालय परिसरों में समाधान शिविर आयोजित होंगे। जहां नागरिकों की शिकायतों को सुनते हुए उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पीटीएम आवश्यक : धर्मेंद्र जून

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में प्री-नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अभिभावकों ने अपने बच्चों की आदतों, रुचियों, शैक्षिक प्रदर्शन एवं समग्र विकास की जानकारी शिक्षकों से प्राप्त की। अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षण पद्धति, अनुशासन और गतिविधियों की सराहना करते हुए विद्यालय परिवार का आभार प्रकट किया। विद्यालय निदेशक धर्मेंद्र जून ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार की पीटीएम का होना है आवश्यक है। इससे जहां अभिभावकों को अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी रहती है वहीं शिक्षकों को भी बच्चे की आदतों व रूचियों का जानने का अवसर मिलता है।

रोहिणी कार्यक्रम में गए भाजपा कार्यकर्ता

बहादुरगढ़। रोहिणी की ओर रवाना होते विक्रम सिंह व अन्य।

बहादुरगढ़। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को रोहिणी में अर्बन एक्सटेंशन रोड टू का उद्घाटन किया। इस उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बहादुरगढ़ इलाके से भी कई कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। सीएम ग्रीवेंस कमेटी सदस्य विक्रम सिंह, देव कुमार, श्याम सिंह सहित कई कार्यकर्ता दिल्ली गए। विक्रम सिंह ने कहा कि यूईआर 2 एक बेहद बड़ी सौगात है।

कार्यकर्ताओं संग उद्घाटन कार्यक्रम में गए दिनेश

कार्यकर्ताओं संग दिल्ली जाते भाजपा नेता दिनेश कौशिक।

यूईआर-2 और द्वारका एक्सप्रेसवे शुरू होने से एनसीआर में ट्रैफिक दबाव घटेगा

बहादुरगढ़। भाजपा नेता दिनेश कौशिक रविवार को कार्यकर्ताओं संग 13 बसों का काफिला लेकर बहादुरगढ़ से रोहिणी स्थित अर्बन एक्सटेंशन रोड (यूईआर-2) और द्वारका एक्सप्रेसवे दिल्ली भाग के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए रवाना हुए। रवानगी से पहले सेक्टर-2 कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जयकारे लगाए। कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश को आधुनिक व मजबूत बुनियादी ढांचे से जोड़ रहे हैं। यूईआर-2 और द्वारका एक्सप्रेसवे शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक दबाव घटेगा, आमजन व उद्योग जगत को राहत मिलेगी और बहादुरगढ़ सहित उत्तरी भारत के राज्यों की यात्रा आसान होगी। इस मौके पर चारों मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कान्हा की बाल लीलाएं सुनकर हर्षित हुए श्रद्धालु

बहादुरगढ़। कथा सुनाते पं. नेकराम शास्त्री।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव टांडाहेड़ी में स्थित श्रीराधा कृष्ण मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन जारी है। पांचवें दिन पं. नेकराम शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। कथा में पूतना वध, अघासुर वध, कालिया नाग पर नृत्य, चीर हरण लीला और यशोदा मैया द्वारा मुख खुलवाने पर संपूर्ण ब्रह्मांड के दर्शन जैसी दिव्य घटनाओं का उल्लेख हुआ। कान्हा की बाल लीलाएं सुनकर श्रोता हर्षित हो उठे।

बहादुरगढ़। पंडाल में कथा का श्रवण करते श्रद्धालु। फोटो हरिभूमि

विशेष आकर्षण गोवर्धन पूजा का प्रसंग रहा। इस प्रसंग ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा का श्रवण करते हुए भक्त कृष्ण के बाल स्वरूप में लीलाओं की महिमा से सराबोर हो उठे और गोवर्धन पूजा के आध्यात्मिक संदेश को आत्मसात किया। आयोजकों के अनुसार, कथा 19 अगस्त तक जारी रहेगी। आगामी 20 अगस्त को हवन व भंडारे के साथ कथा का समापन होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

सड़क पर गड्ढों की भरमार, आए दिन हो रही दुर्घटनाएं

बालोर-सिद्दीपुर मार्ग पर लोग जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे, प्रशासन के सुध न लेने से आक्रोश

■ वाहन चलाना तो दूर, पैदल निकलना भी जान जोखिम में डालने जैसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बालोर से सिद्दीपुर लोवा की ओर जाने वाले मार्ग की हालत बेहद खराब है। सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क, यह पहचानना मुश्किल हो गया है। हालात इतने गंभीर हैं कि मार्ग पर वाहन चलाना तो दूर, पैदल निकलना भी जान जोखिम में डालने जैसा है। आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। प्रशासन द्वारा मार्ग की सुध न लिए जाने से ग्रामीणों में रोष है। दरअसल, इस सड़क के बीचों-बीच से लेकर किनारों तक गहरे गड्ढे बने हुए हैं। इनमें पांव पड़ने से चोट लगना तय है, वहीं थोड़ी सी स्पीड में वाहन का टायर गड्ढे में आने पर एक्सल टूटने और गाड़ी खराब होने का खतरा रहता है।

बहादुरगढ़। बालोर-सिद्दीपुर मार्ग पर गड्ढों के कारण बने गंभीर हालात। फोटो : हरिभूमि

यही कारण है कि आए दिन वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और लोगों को हादसों का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क बेहद व्यस्त है। इसकी एक तरफ बहादुरगढ़ बाईपास, बालौर गांव, लघु सचिवालय है तो दूसरी ओर गुरुकुल, कामधेनु गौशाला, सिद्दीपुर, लोवा और दिल्ली का कैर सहित दिल्ली के अन्य गांव है। इस मार्ग से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं, लेकिन गड्ढों से भरी सड़क पर सफर करना लोगों के लिए मुसीबत बन गया है।

स्थानीय लोग बताते हैं कि पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों और कर्मचारियों को हालात की जानकारी होने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। अधिकारी आंख और कान बंद किए बैठे हैं। सिद्दीपुर, लोवा और इस्सरहेड़ी की पंचायतों तथा ग्रामीणों ने सरकार, प्रशासन से मार्ग की सुध लेने की मांग उठाई है।